नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

'कुरूख भाषा साहित्य, पहचान, प्रथा, कानून एवं संस्कृति' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में

हिंदी विश्वविद्यालय की छात्रा को नेपाल में मिला उत्कृष्ट वक्ता का पुरस्कार

वर्धा दि. 24 जुलाई 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ की एम. फिल की शोध छात्रा दीप्ति एक्का को नेपाल के विराटनगर में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय उरॉव सम्मेलन में उत्कृष्ट वक्ता एवं उनके शोध पत्र को उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार से नवाज़ा गया।

नेपाल के विराटनगर में 'कुरूख भाषा साहित्य, पहचान, प्रथा, कानून एवं संस्कृति' पर हाल ही में दो दिन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में उन्हें यह पुरस्कार नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री विजय कुमार मिश्र, नेपाली कॉंग्रेस के अध्यक्ष रेवती रमन भंडारे की प्रमुख उपस्थिति में कुरूख लिटरेचर सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. हरि उराँव के द्वारा प्रदान किया गया। उत्कृष्ट वक्ता एवं उत्कृष्ट शोध प्रबंध के पुरस्कार स्वरूप उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

दीप्ति एक्का ने कुरूख भाषा के लोकगीतों का हिंदी अनुवाद और लोक-सांस्कृतिक अध्ययन विषय पर अपना शोध पत्र पढ़ा और पॉवर प्वाइंट के माध्यम से इसे प्रस्तुत भी किया। उन्होंने शोध पत्र में बताया कि जनजाति की संस्कृति साहित्य से ही नहीं बल्कि उनके लोकगीतों से भी पता चलती है। लोकगीत पुराने समय में काम करते-करते गाए जाते थे और तब से ये गीत चलते आ रहे हैं। उस समय की वास्तविकता गीतों के माध्यम से पता चलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे गीतों का हिंदी में अनुवाद कर उसे पूरी दुनिया के सामने लाकर संस्कृति को उजागर करना मेरे शोध का उद्देश्य है। सम्मेलन का आयोजन नेपाल उरॉव आदिवासी जनजाति प्रतिष्ठान सुनसारी, नेपाल और कुरूख लिटररी सोसायटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के संयुक्त प्रयास से किया गया। इस अवसर पर आयोजक संस्थानों के पदाधिकारी, नेपाल एवं भारत के विभिन्न प्रांतों के प्रतिनिधि एवं शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अध्यक्ष प्रो. देवराज, डॉ. अन्नपूर्णा सी., डॉ. आर. पी. यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, हरप्रीत कौर, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे सहित शोधार्थियों ने उन्हें बधाई दी है।